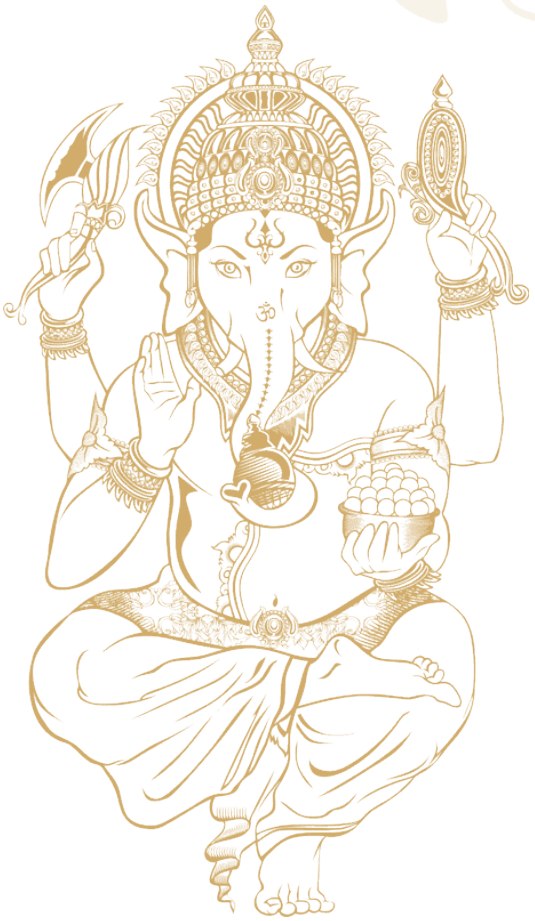

Karan

M

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121923301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121923301 Date: 13/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/11/1992	जन्म तिथि	04/07/1994
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 08:00:00	जन्म समय	11:50:00 घंटे
घटी 03:14:21	जन्म समय(घटी)	15:09:41 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:15	सूर्योदय	05:46:07
17:41:26	सूर्यास्त	19:15:10
23:45:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:03

वृश्चिक	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
सिंह	राशि	मेष
सूर्य	राशि-स्वामी	मंगल
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	भरणी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	4
वैधृति	योग	धृति
वणिज	करण	बालव
टू-टूंगर	जन्म नामाक्षर	लो-लोचन
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	चतुष्पाद
मूषक	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 3वर्ष 0मा 18दि		19:30:05	वृश्चि	लग्न	कन्या	08:55:32	शुक्र 1वर्ष 2मा 10दि	
राहु		03:15:10	वृश्चि	सूर्य	मिथु	18:16:32	राहु	
08/12/2018		24:38:00	सिंह	चंद्र	मेष	25:52:13	13/09/2018	
07/12/2036		03:13:08	कर्क	मंगल	वृष	06:26:51	13/09/2036	
राहु	20/08/2021	09:48:20	वृश्चि व	बुध व	मिथु	05:53:45	राहु	26/05/2021
गुरु	13/01/2024	13:59:13	कन्या	गुरु	तुला	10:59:26	गुरु	20/10/2023
शनि	19/11/2026	12:55:26	धनु	शुक्र	कर्क	28:13:34	शनि	26/08/2026
बुध	08/06/2029	19:01:31	मक	शनि व	कुंभ	18:31:02	बुध	14/03/2029
केतु	26/06/2030	27:58:53	वृश्चि व	राहु	तुला	29:04:16	केतु	02/04/2030
शुक्र	26/06/2033	27:58:53	वृष व	केतु	मेष	29:04:16	शुक्र	01/04/2033
सूर्य	21/05/2034	21:36:55	धनु	हर्ष व	मक	01:05:28	सूर्य	24/02/2034
चन्द्र	20/11/2035	23:09:24	धनु	नेप व	धनु	28:27:29	चन्द्र	26/08/2035
मंगल	07/12/2036	29:16:15	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	01:46:28	मंगल	13/09/2036

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:43 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:03

लग्न-चलित

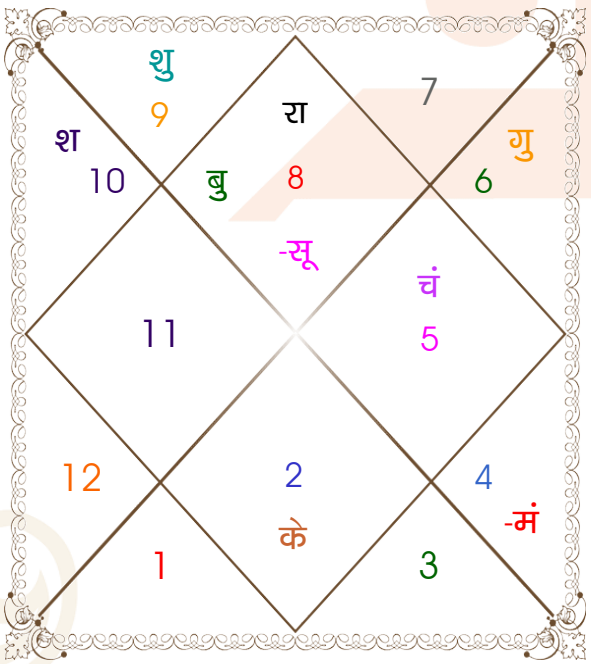

लग्न-चलित

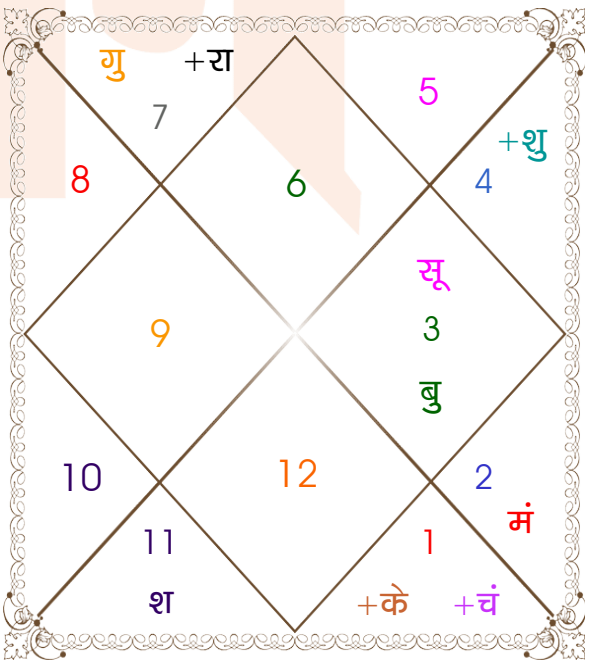

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

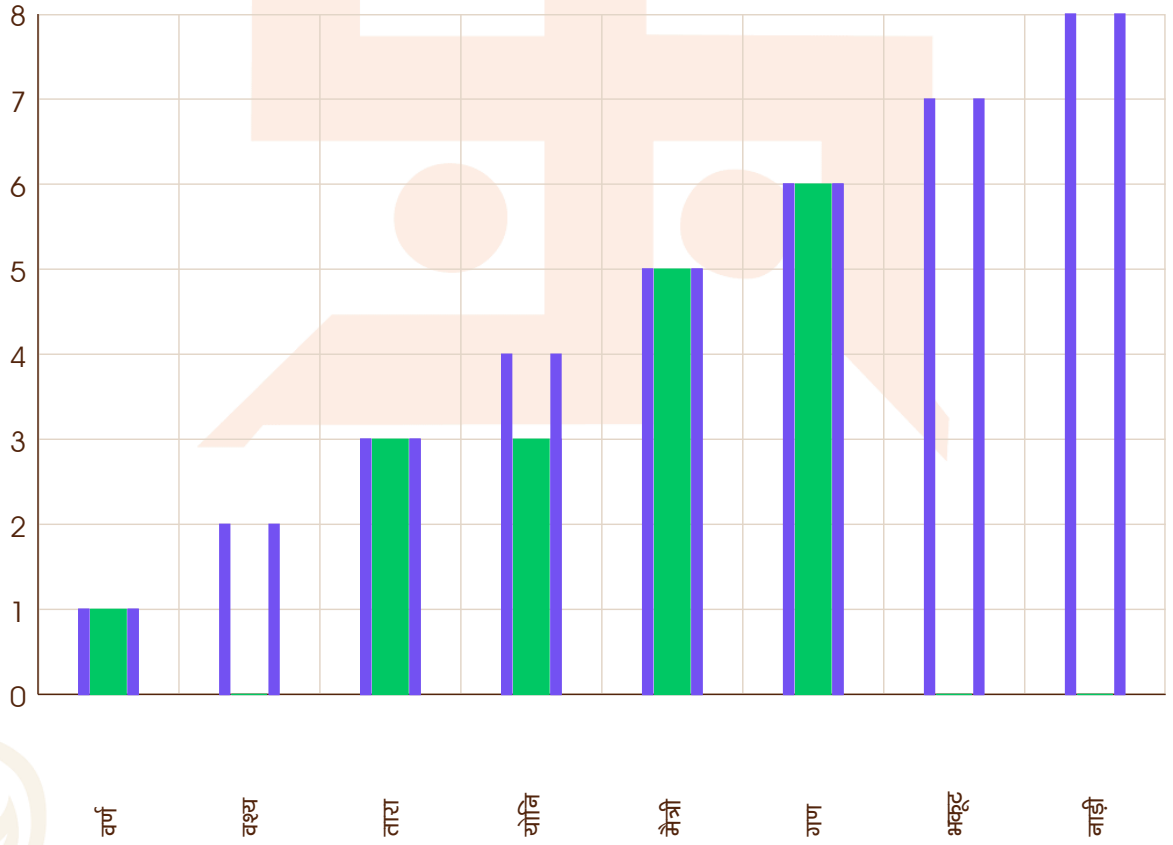

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

झंतंद का वर्ग श्वान है तथा M का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंतंद और M का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

झंतंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

M मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

झंतंद तथा M में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ज्ञंतंद का वर्ण क्षत्रिय तथा M का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

ज्ञंतंद का वश्य वनचर है एवं M का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर ज्ञंतंद एवं चतुष्पद M का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। ज्ञंतंद निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह M को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है M को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

ज्ञंतंद की तारा जन्म तथा M की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

ज्ञंतंद की योनि मूषक है तथा M की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में झंतंद एवं M दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि झंतंद एवं M के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण झंतंद एवं M जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

झंतंद का गण मनुष्य तथा M का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

झंतंद से M की राशि नवम भाव में स्थित है तथा M से झंतंद की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। झंतंद की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

झंतंद की नाड़ी मध्य है तथा M की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में झंतंद एवं M का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, Mरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

झंतंद की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा M की भी अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। अग्नितत्व में समानता होने के कारण झंतंद और M की परस्पर स्वाभाविक समानता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन शांति पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

झंतंद की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा M की राशि का स्वामी मंगल दोनों परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए यह स्थिति सुखद रहेगी। इसके प्रभाव से झंतंद और M एक दूसरे के गुणों से आकर्षित रहेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान जनक समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के आस्तित्व को पूर्ण स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त झंतंद और M एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे परस्पर गहन मित्रता का भाव बना रहेगा।

झंतंद और M की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। इसके प्रभाव से दोनों के मन में यदा कदा एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या की भावना उत्पन्न होगी तथा अभिमान के भाव में भी प्रबलता आएगी फलतः परस्पर वैमनस्य के भाव की उत्पति होगी। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति तथा असुविधा का झंतंद और M को सामना करना पड़ेगा। यदि झंतंद और M उपरोक्त भावनाओं का यत्न पूर्वक परित्याग कर सकें तो उनके जीवन में खुशी तथा शांति बनी रह सकती है।

झंतंद का वश्य वनचर तथा M का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः झंतंद और M की अभिरूचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

झंतंद और M दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों की कार्य क्षमता बराबर रहेगी तथा पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे जिससे कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता रहेगी।

धन

झंतंद और M का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से झंतंद और M सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

झंतंद को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में

समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

ज्ञंतंद और M दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे ज्ञंतंद और M दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से ज्ञंतंद को धातु संबंधी तथा M को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ज्ञंतंद और M का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ज्ञंतंद और M के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में M के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन M को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में M को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ज्ञंतंद और M सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ज्ञंतंद और M का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

M के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद M अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी

प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से M पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि M अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

झंतंद के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि झंतंद तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से झंतंद के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।